

# कोटा में आवारा श्वान ने मासूम बच्ची पर हमला कर कई जगह से काटा

नयापुरा इलाके में बच्ची घर के बाहर खेल रही थी, तभी आवारा श्वान ने हमला कर दिया

कोटा, (निसं)। शहर में आवारा श्वान का आतंक एक बार फिर सामने आया है। शहर के नयापुरा इलाके में एक दो साल की मासूम बालिका पर स्ट्रीट डॉग ने हमला कर दिया। बालिका मिस्ट्री घर के बाहर लगे नल के पास पर खेल रही थी, तभी एक आवारा श्वान आया और उस पर टूट पड़ा। डॉग के हमले में बालिका गंभीर रूप घायल हो गई, जिसका अस्पताल में इलाज जारी है।

डॉग ने पहले बालिका के पैर पर काटा, फिर हाथ पर हमला किया और

■ **डॉग ने पहले बालिका के पैर पर काटा, फिर हाथ पर हमला किया और उसके बाद मुंह, होंठ, जबड़े और चेहरे पर गहरे जखम कर दिए**

■ **इसके बाद आवारा श्वान बालिका को मुंह में दबाकर खींचने लगा और ले जाने की कोशिश की**

■ **बालिका की चीखें सुनकर पड़ोसी और परिवार वाले दौड़े आए, बालिका की बुआ ने डॉग पर डंडे से वार किया तो डॉग बालिका को छोड़कर भाग गया**

उसके बाद मुंह, होंठ, जबड़े और चेहरे    पर गहरे जखम कर दिए। इतना ही नहीं,

डॉंग बालिका को मुंह में दबाकर खींचने लगा और उसे ले जाने की कोशिश करने लगा। बालिका की चीखें सुनकर पड़ोसी और उसके परिवार वाले दौड़े आए। बालिका की बुआ ने दौड़कर डॉग पर डंडे से वार किया, जिसके बाद डॉग बालिका को छोड़कर भाग गया।

बालिका के चाचा भावेश ने बताया कि घटना के तुरंत बाद बालिका को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। डॉक्टरों ने बताया कि डॉग के हमले में उसके  चेहरे, होंठ और

जबड़े पर कई जगह गहरे कट लगे हैं। अब उसकी प्लास्टिक सर्जरी करानी होगी, जिसके लिए उसे निजी अस्पताल में दिखाया जा रहा है। भावेश ने बताया कि इलाके में आवारा डॉग्स की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। छोटे बच्चों का घर से बाहर निकलना अब मुश्किल हो गया है। गनीमत रही कि समय पर मासूम को बचा लिया गया वरना आवारा डॉग उसकी जान ले सकता था।

# भीलवाड़ा के निजी अस्पताल में इंजेक्शन से युवती की मौत

**भीलवाड़ा, (निसं)।** शहर के एक निजी अस्पताल में शनिवार को उस समय भारी तनाव व्याप्त हो गया, जब उपचार के दौरान एक 18 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गलत इंजेक्शन लगाने और इलाज में लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में ही घरना शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार, रेनवास निवासी रवीना (1८) पुत्री भंवर बलाई को पेट दर्द की शिकायत होने पर परिजनों द्वारा निजी अस्पताल लाया गया था। परिजनों का कहना है कि भर्ती किए जाने तक रवीना की स्थिति सामान्य थी, लेकिन उपचार के दौरान जैसे ही उसे एक इंजेक्शन लगाया गया, उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। कुछ ही मिनटों में युवती ने दम तोड़ दिया। युवती की मौत की खबर मिलते ही गांव से बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच

# नागौर में अवैध खनन पर कार्रवाई, दस करोड़ के वाहन व मशीनें जब्त

## खींवसर क्षेत्र में पुलिस ने अवैध खनन में लिप्त नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया

**जयपुर/नागौर।** अवैध खनन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए नागौर पुलिस ने खींवसर क्षेत्र में चल रहे माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के नेतृत्व में खींवसर पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए प्रेमनगर की सरहद से करीब 1० करोड़ रुपये कीमत की मशीनें और वाहन जब्त कर खनन माफियाओं में हड़कंप मचा दिया।

एसपी कच्छावा ने बताया कि पुलिस टीम ने जब प्रेमनगर और बैरावास की सीमा पर दबिश दी तो वहां अवैध खनन का बड़ा खेल चल रहा था। पुलिस ने मौके से पहाड़ों का सीना चीरने

वाली चार विशालकाय चैन माउंटेड एलएनटी पोकलेन मशीनें, तीन जेसीबी, चार भारी भरकम डम्पर और तीन ट्रैक्टर जब्त किए हैं। इसके अलावा माफियाओं द्वारा निगरानी में इस्तेमाल की जाने वाली एक स्कॉर्पियो और एक मोटरसाइकिल को भी पुलिस ने जब्त किया है। 16 वाहनों को भारी जापने के साथ थाने लाकर खड़ा किया गया है। वहीं पुलिस ने अवैध खनन में लिप्त नौ आरोपियों को धारा 17० के तहत गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी न केवल नागौर, बल्कि जोधपुर ग्रामीण, डींग, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा और ब्यावर जैसे अलग-अलग जिलों के निवासी हैं, गिरफ्तार आरोपियों में राधाकिशन, मदनलाल,

जलीस, विष्णु, राजमल, नेमाराम, देवराजसिंह, शंकरसिंह और सुरेश कुमार चौधरी शामिल हैं।

इस पूरी कार्यवाही को सफल बनाने में खींवसर थानाधिकारी कन्हैयालाल और डीएसटी प्रभारी मुकेश कुमार की टीम का विशेष योगदान रहा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी और वृत्ताधिकारी धरम पुनिया के सुपरविजन में टीम ने इतनी गोपनीयता से दबिश दी कि माफियाओं को भागने का मौका तक नहीं मिला। एसपी कच्छावा ने साफ कर दिया है कि नागौर की धरती पर अवैध खनन और प्राकृतिक संसाधनों की लूट बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

# रणथम्भौर टाइगर रिजर्व का “बाघ टी 24०7 ” बन सकता है “बाघिन महक” का साथी



प्रदेश की सबसे उपद्रदाज बाघिन महक।

वाइल्डलाइफ वार्डन को भेजा हुआ है। इसके बाद 21 साल 5 माह की बाघिन का साथी युवा बाघ बन सकता है।

अनुराग भटनागर का कहना है कि जब केप्टिविटी में टाइगर को रखना ही है तो उसे जू या बायोलॉजिकल पार्क में रखा जा सकता है। दूसरे वन्यजीव को उससे कोई परेशानी भी नहीं होगी। ऐसे में कोटा में जब बाघिन महक अकेली है तो उसको साथी भी मिल जाएगा।

अनुराग भटनागर का कहना है कि जंगल में रहने वाले बाघ की उम्र 12 से 14 साल के बीच ही रहती है जबकि केप्टिविटी में रहने वाले बाघ 16 से 18 साल तक जीते हैं, लेकिन 21 साल तक जीना, बेहतर सुविधा मिलना और अच्छा उपचार होना ही है। राजस्थान के

बायोलॉजिकल पार्क और चिड़ियाघर में महक और उसकी बहन रंभा की अच्छी सेहत का राज भी यही है। उनका कहना है कि महक बीटे डेढ़ साल से अकेली जरूर है, लेकिन वह पूरी तरह से मजबूत और पूरे एंक्लोजर में घूमती रहती है। वह एंक्लोजर के बाहरी एरिया में ही ज्यादा रहती है, जिससे पर्यटकों को नजर भी आती रहती है। इतनी उम्र होने के बाद भी वह अच्छी और लागमगफिट जैसी ही है। दरअसल साल 2००4 में 28 अगस्त को बाघिन चंदा ने चार शावकों को जन्म दिया था। उसमें रंभा, महक, गौरी और रुद्र शामिल थे। इनमें केवल बाघिन महक ही जीवित है।

टाइगर मैन दीपत सिंह शक्तावत का कहना है कि आदमखोर होने के

■ **प्रदेश की सबसे उपद्रदाज बाघिन महक कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में बीते डेढ़ साल से अकेली है**

■ **रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से बाघ टी 2407 को अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में शिफ्ट करने के लिए उच्च अधिकारियों को पत्र लिखा**

बावजूद भी टाइगर अपनी प्रजाति के दूसरे वन्य जीव पर हमला नहीं करता है। रिजर्व में अपनी टैरिटरी को लेकर बाघों में झगड़ा जरूर होता है। इस संघर्ष में बाघों की जान चली जाती है लेकिन अधिकांश मामलों में फाइंट होने के बाद कमजोर बाघ अपनी दूसरी टैरिटरी खोजने में जुट जाता है। अपनी ही प्रजाति के दूसरे वन्य जीव पर हमला कैनिबलिज्म बोला जाता है। यह बहुत कम देखने को मिलता है, क्योंकि अधिकांश कान्तिनारस वाइल्ड एनिमल हरबिबोर का ही शिकार करते हैं। इसीलिए आदमखोर होने के बावजूद भी टाइगर टी 24०7 बाघिन महक के साथ आसानी से रह सकता है।

शक्तावत का कहना है कि बाघिन अपने जीवनकाल में तीन से चार बार शावकों को जन्म दे सकती है। शावक को जन्म देने की उम्र 12 साल से कम रह सकती रहती है। अमूमन 12 साल के बाद बाघिन के शावक होने की संभावना काफी कम रहती है। ऐसे में बाघिन महक को एकाकीपन में मदद

■ **बैंक से 14 लाख से अधिक का गबन किया था, नोखा पुलिस ने पकड़ा**

सत्यापन के बाद इन लोगों पर 14,28,797 रुपए के गबन का आरोप लगा। इस संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया था। बांछित आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने यह कार्रवाई की।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में नागौर जिले के दागड़ी खेरवा निवासी शक्ति सिंह और डीडबाना कुचामन जिले के बंधा पायतान, खिंचिया बासनी निवासी राकेश शामिल हैं। आरोपियों से पूछताछ और आगे की जांच जारी है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक तनसुखराम, कॉन्स्टेबल सतीश कुमार और कॉन्स्टेबल खुशराज शामिल थे।

# दो करोड़ के 6०67 किलो अफीम के पौधे जब्त, दो जने गिरफ्तार

## कैलादेवी थाना क्षेत्र के धौरेरा हार में सरसों के खेतों के बीच अफीम की खेती मिली

**करौली/जयपुर।** पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन शिकंजा के तहत करौली जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने कैलादेवी थाना क्षेत्र के धौरेरा हार में छापेमारी कर 6०67 किलोग्राम अवैध अफीम के हरे पौधे बरामद कर दो जनों को गिरफ्तार किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन पौधों की कीमत करीब दो करोड़ रुपये आंकी गई है।

एसपी सोनवाल ने बताया कि तस्करो ने पुलिस की आंखों में धूल झांकने के लिए एक शांति तरीका अपनाया था। आरोपियों ने अपने खेतों में ऊंची और घनी सरसों की फसल बोई

थी और उसके ठीक बीचों-बीच अफीम की अवैध खेती कर रखी थी ताकि किसी को शक न हो। मुखबिर की सटीक सूचना पर जब पुलिस टीम ने खेतों के भीतर प्रवेश किया, तो वहां अफीम के पौधों का जखीरा देखकर दंग रह गई। कैलादेवी थानाधिकारी राम अवतार मीना के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी चौरसिंह मीना (37) के खेत से 2955.4०0 किलो और मनकेश उर्फ पिन्टू मीना (32) के खेत से 3112.4०० किलो अफीम के पौधे बरामद हुए। पुलिस ने 285 प्लास्टिक के कट्टों में इन पौधों को भरकर जब्त

किया है। घटना में शामिल एक अन्य आरोपी घनश्याम उर्फ घासू मीना की तलाश जारी है। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस ने नए क्रिमिनल लॉ का पालन करते हुए ई-साक्ष्य ऐप का उपयोग किया। सर्वे और जब्ती की पूरी वीडियोग्राफी क्लाउड पर अपलोड की गई ताकि साक्ष्यों के साथ कोई छेड़छाड़ न हो सके। मौके पर नायब तहसीलदार मुनीराम मीना और हल्का पटवारी को बुलाकर राजस्व रिकॉर्ड की पुष्टि भी की गई। पुलिस अगव यह पता लगा रही है कि इन पौधों से अफीम निकालकर कहाँ सप्लाई की जानी थी और इस नेटवर्क के पीछे और कौन से बड़े चेहरे शामिल हैं।

# कार्डियक अरेस्ट से हुई थी साध्वी प्रेम बाईसा की मौत, पुलिस ने 1 8वें दिन खुलासा किया

‘साइंटिफिक जांच और इन्वेस्टिगेशन में साध्वी के शरीर में जहर नहीं पाया गया है’

■ **जांच में यह भी सामने आया है कि इलाज के दौरान कंपांडर देवी सिंह की ओर से नियमों की अनदेखी की गई, इस स्थिति में लापरवाही सामने आई**

■ **पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया कि 12 फरवरी को मिली एफएसएल रिपोर्ट और हिस्टोपैथोलॉजिकल रिपोर्ट के आधार पर बोर्ड ने निष्कर्ष निकाला है कि मौत कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट से हुई थी**

की बीमारी के परिणामस्वरूप आए कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट से हुई।

पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि साइंटिफिक जांच और इन्वेस्टिगेशन में साध्वी के शरीर में जहर नहीं पाया गया है। साथ ही किसी भी प्रकार के यौन अपराध या बाहरी व आंतरिक चोट के निशान भी शरीर पर नहीं मिले हैं। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि मामले की

में कौन सी दवाइयां ले रही थी, इसका पूरा ज्योरा जुटाया गया है। घटनाक्रम की सटीक टाइमलाइन तैयार करने के लिए सीसीटीवी फुटेज और उस दौरान मिलने वाले लोगों के बयानों का सहारा लिया गया है। जांच में सबसे गंभीर तथ्य कंपांडर देवी सिंह की ओर से दिए गए इंजेक्शन को लेकर सामने आया है।

जानकारी के अनुसार जोधपुर शहर के बोरानाडा इलाके में आरती नगर स्थित आश्रम में 28 जनवरी को साध्वी प्रेम बाईसा की तबीयत बिगड़ी थी। तब उन्हें जुकाम होने और सांस लेने में परेशानी होने बताया गया था। तब इलाज के लिए कंपांडर देवीलाल सिंह को बुलाया गया था। कंपांडर देवीसिंह ने दो इंजेक्शन लगाए थे। इंजेक्शन लगने के तुरंत बाद उनकी तबीयत अचानक और ज्यादा बिगड़ गई थी। परिजन उन्हें

# आरटीई की नई गाइडलाइन जारी, चार क्लासों में फ्री एडमिशन होगा

■ **20 फरवरी से आवेदन शुरू होंगे, 6 मार्च को लॉटरी निकाली जाएगी**

आवेदन कर सकते थे। इस बार शिक्षा विभाग ने इसमें बदलाव करते हुए चार क्लासों को जोड़ा है। इसके तहत नर्सरी, एलंजेजी, यूकेजी और पहली क्लास में एडमिशन हो जाएगा। प्री प्राइमरी 3 पूस यानी नर्सरी में 3 साल से अधिक और 4 साल से कम उम्र के स्टूडेंट्स, प्री प्राइमरी 4 प्लस यानी एलंजेजी में 4 वर्ष से 5 वर्ष तक के स्टूडेंट्स, प्री प्राइमरी 5 प्लस यानी यूकेजी में 5 वर्ष से अधिक और 6 वर्ष से कम आयु के स्टूडेंट्स और फर्स्ट क्लास में 6 वर्ष से अधिक और 7 वर्ष से कम उम्र के स्टूडेंट्स को एडमिशन मिल सकेगा। सभी प्राइवेट स्कूलों में पिछले 3 सालों

में नर्सरी से फर्स्ट क्लास तक के एडमिशन की संख्या को देखा जाएगा। ये संख्या पहले से शिक्षा विभाग के पोर्टल पर उपलब्ध है। इस संख्या के आधार पर एक एक्वेज संख्या तय होगी। इसी संख्या की 25 प्रतिशत सीट पर फ्री एडमिशन दिया जाएगा। अगर इस संख्या के आधार पर एलंजेजी में 1० सीट आती है और नर्सरी से प्रमोट होकर 8 स्टूडेंट्स आ गए हैं तो शेष 2 सीट पर एडमिशन होगा। इसी तरह यूकेजी में अगर कुल 1० सीट है और 5 सीट खाली हैं तो 5 पर एडमिशन होगा। ऐसा ही फॉर्मूला क्लास फर्स्ट के लिए रहेगा। कई बार नर्सरी में एडमिशन लेने के बाद स्टूडेंट्स एलंजेजी या यूकेजी में स्कूल छोड़ देते हैं। ऐसे में प्राइवेट स्कूल इस खाली सीट पर फ्री एडमिशन नहीं दे पाते थे। अब ये खाली सीटें भर जाएगी, जिससे प्रवेश में फ्री एडमिशन पाने वाले स्टूडेंट्स की संख्या में बढ़ोतरी होगी।

# वन विभाग टीम पर हमला, रेंजर घायल

**उदयपुर, (निसं)।** वन विभाग भूमि से अतिक्रमण हटाने पर रेंजर व साथी कम-कारियों पर अतिक्रमियों ने हमला कर दिया। हमले में रेंजर घायल हो गया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। जिले के पानरवा वन विभाग रेंज के रेंजर राजेश कुमार पुत्र शांतिलातर परमार निवासी सतीरामपुर सदर डूंगरपुर ने जूनीपादर निवासी मीठा पुत्र भोमा गमार, होलिया पुत्र भेमा, थावरा पुत्र अन्ना निवासी माण्डवा सहित अन्य लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि गत दिनों पानवा वन रेंज में आरोपियों द्वारा कब्जा करने की सूचना मिली थी। इस पर 12 फरवरी को वन विभाग अधिकारी एवं पुलिस जाब्ता ने अतिक्रमण हटाया था। इससे आक्रोषित आरोपियों ने हमला कर दिया था।

# विंग कमांडर के घर लाखों की चोरी

**जोधपुर, (कासं)।** एयरफोर्स एरिया में रहने वाले विंग कमाण्डर के घर से लाखों के आभूषण चोरी हो गए। इसमें उनकी तरफ से अपनी नौकरानी पर संदेह जाहिर करते हुए रिपोर्ट दी गई है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज किया है, अग्रिम जांच की जा रही है। घटना 11-12 फरवरी के बीच की है।

एयरपोर्ट थाना पुलिस ने बताया कि नई दिल्ली के रोहिणी स्थित अकाश गंगा अपार्टमेंट हाल बाइमेर एयरफोर्स स्टेशन में तैनात विंग कमाण्डर परिवेला तेजोधर का एक मकान यहां एयरफोर्स

स्टेशन में आया हुआ है। दो तीन दिन पहले उन्होंने अपने घर में स्टूटकेस में पॉले इन्वॉकंड रिंग, एक सोने की चेन, ब्रासलेट, पेडेंट व अन्य छोटे सोने के आभूषण रखे थे। बाद में वह स्टूटकेस को लॉक करना भूल गए। घटना के समय घर की नौकरानी वहां पर मौजूद थी। शुरुवार को जब स्टूटकेस संभाला तब आभूषण उसमें नहीं मिले। नौकरानी से जब पूछताछ की गई, मगर संतोषजनक जवाब नहीं मिल पाया। इस पर उन्होंने एयरपोर्ट थाने में इसकी रिपोर्ट दी। फिलहाल प्रकरण दर्ज किया गया है।

**डोडा-चूरा सहित आरोपी को पकड़ा :** कोटा में सुल्तानपुर पुलिस ने इल्हक में गश्त के दौरान अवैध मादक पदार्थ डोडा- चूरा सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजोित शंकर ने बताया कि सुल्तानपुर थानाधिकारी अंकित कुडी ने मय जाब्ता इलाके में गश्त व चौकिया के दौरान झोटोली रोड नर्सरी के पास एक जने पर संदेह होने पर उसे रोककर डिटेन कर उसकी तलाशी ली तो तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद किया।